

I. ನಿम्ನಲಿಖಿತ ಕಥನಗಳಿಗೆ ಒಂದು-ಒಂದು ವಿಕಲ್ಪ ದೀಗು ಳ್ಲೆ, ಜಿಢುಢೆ ಂಕುಢಾತ್ರ ವಿಕಲ್ಪ ಸಹೀ ಹೀ । ಸಹೀ ವಿಕಲ್ಪ ಒುಢಕರ ಲಿಖೀಃ 8x1=8

1. 'ಗಣೇಶ' ಶಬ್ದ ಢೆ ಸಂಧಿ ಹೀ -  
 ಂ) ವೃದ್ಧಿ      ಬೀ) ದೀರ್ಘ      ಸೀ) ಗುಣ      ಡೀ) ಯಣ
2. 'ನುಕಾ' ಶಬ್ದ ಕಾ ಅಢ್ಯವಒಢ ಹೀ -  
 ಂ) ನುಕಾಂ      ಬೀ) ನುಕಾಂಃ      ಸೀ) ನಾವ      ಡೀ) ನಾವಿಕ
3. ಂಢುಢೆ ಪ್ರಥಢು ಪ್ರೇರಣಾತ್ಢುಕ ಕ್ರಿಯಾ ರೂಪ ಹೀ -  
 ಂ) ಲಿಖಾವಟ      ಬೀ) ಒಡಾಡ್      ಸೀ) ಸುಢಾನಾ      ಡೀ) ಬಒಢಾ
4. 'ಢಜಬುತ' ಶಬ್ದ ಕಾ ವಲೂಢು ಶಬ್ದ ಹೀ -  
 ಂ) ಢುಲಾಯಢು      ಬೀ) ಢಜಬುರ      ಸೀ) ಕಢಜೂರ      ಡೀ) ಕೂಢಲ
5. ನುಕರ ಶಬ್ದ ಕಾ ಅಢಯಲಿಢುಗ ರೂಪ ಹೀ -  
 ಂ) ನುಕರೀ      ಬೀ) ನುಕರ      ಸೀ) ನುಕರಾನೀ      ಡೀ) ನುಕರೇ
6. ಂಢುಢೆ ದ್ವಂದ್ವ ಸಢಾಸ ಕಾ ಡದಾಹರಣ ಹೀ -  
 ಂ) ತ್ರಿದೇವ      ಬೀ) ರಾಜವಂಶ      ಸೀ) ಢೀಲಕಢಲ      ಡೀ) ಢಾತಾ -ಪಿತಾ
7. 'ಅಬೀ ಬಾಜಾರ --- ಬುಢಾ ಲಾತಾ ಹುಃ' । ರಿಕ್ತ ಸ್ಥಾನ ಢೆ ಡಒಿತ ಕಾರಕ ಹೂಗಾ -  
 ಂ) ಸೆ      ಬೀ) ಕೂ      ಸೀ) ಢೆ      ಡೀ) ಪರ
8. ಗಿಲ್ಲೂ ಕೆ ಜೀವಢು ಕಾ ಪ್ರಥಢು ವಸಂತ ಆಯಾ । ಂಸ ವಾಕ್ಯ ಢೆ ಪ್ರಯುಕ್ತ ವಿರಾಢು ಒಿಹ್ಢು ಹೀ -  
 ಂ) ಪ್ರಶ್ಢವಾಒಕ      ಬೀ) ಪೂರ್ಣ ವಿರಾಢು      ಸೀ) ವಿಸ್ಮಯಬೂಧಕ      ಡೀ) ಅಲ್ಪ ವಿರಾಢು

II. ಪ್ರಥಢು ದೂ ಶಬ್ದೂ ಕೆ ಸುಒಿತ ಸಂಬಂಧೂ ಕೆ ಅಢುರೂಪ ತೂಸರೇ ಶಬ್ದ ಕಾ ಸಂಬಂಧಿತ ಶಬ್ದ ಲಿಖೀಃ : 1x4=4

9. ಪಹಲಾ ಸೆಬ : ಆಧಾ ಸಡ್ಡಾ ತಾ :: ತೂಸರಾ ಸೆಬ : \_\_\_\_\_
10. ಗಿಲ್ಲೂ : ರೆಖಾ ಒಿತ್ರ :: ಢೆರಾ ಬಒಪಢು : \_\_\_\_\_
11. ಕರ್ಢಲ : ಖುಲ್ಲರ :: ಢೆಜರ : \_\_\_\_\_
12. ಬಲಬದ್ರ : ಬಲರಾಢು :: ಕಾಢಹ : \_\_\_\_\_

III. ನಿಢುಢಲಿಖಿತ ಪ್ರಶ್ಢೂ ಕೆ ಡತ್ತರ ಂಕುಢು-ಂಕುಢು ವಾಕ್ಯೂ ಢೆ ಲಿಖೀಃ । 1x4=4

13. ಲೇಖಕ ಢೆ ಧುಪ ಕಾ ಒಶಢಾ ಕಹಾಃ ರಖಾ ತಾ ?
14. ಕರ್ಢಾಟಕ ಢೆ ಕೂಢ-ಕೂಢ ಸೆ ಜಲಪ್ರಪಾತ ಹೀ ?
15. ತುಲಸೀದಾಸ ಢುಖಿಯಾ ಕೂ ಢುಖ ಹೀ ಕ್ಯೂಃ ಢಾಢತೆ ಹೀ ?
16. ಸಢಯ ಕೂ ಖೂಢೆ ಸೆ ಕ್ಯಾ ಹೂತಾ ಹೀ ?

**IV. निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए :**

**8x2=16**

17. अब्दुल कलाम का बचपन बहुत ही निश्चिंतता और सादगी से बीतने का कारण लिखिए ॥
18. अंत में परसाई जी सीधा स्टेशन जाने का निश्चय क्यों किया ?
19. आजकल शिक्षित समाज में किसके बारे में विचार किया जाता है ?
20. छलनी से क्या-क्या छान सकते हैं ?
21. समय का सदुपयोग कैसे करना चाहिए ?
22. बालकृष्ण अपनी माता से क्या शिकायत करता है?
23. शनिग्रह को शनैश्चर क्यों कहते हैं ?

अथवा

शनि का निर्माण किस प्रकार हुआ है ?

24. झूठ का सहारा लिए तो क्या-क्या सहना पड़ता है ?

अथवा

सलमा ने मीना मेडम से क्या कहा ?

**V. निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर तीन-चार वाक्यों में लिखिए :**

**9x3=27**

25. बसंत स्वाभिमानी और ईमानदार लडका था। कैसे ?
26. इंटरनेट एक वरदान भी है और अभिषाप भी। कैसे ? समझाइए।
27. जैनुलाबदीन नमाज के बारे में क्या कहते थे ?
28. महिला की साहस गाथा इसे पाठ से क्या संदेश मिलता है ?
29. कर्नाटक के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन अपने शब्दों में लिखिए।
30. कवि भगवती चरण वर्माजी के अनुसार मातृभूमि का स्वरूप कैसे सुशोभित है ?
31. दिनकरजी के अनुसार किसे 'सही मानव' कह सकता है ?
32. निम्नलिखित दोहे का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए।  
मुखिया मुख सो चाहिए, खान पान को एक।  
पालै पोसै सकल अंग, तुलसी सहित विवेक॥
33. गद्यांश का अनुवाद कनाड या अंग्रेजी में कीजिए।  
अब्दुल कलाम जो बचपन में अपने पुश्तैनी घर में रहते थे। उनके पिता आडंबरहीन व्यक्ति थे और सभी आवश्यक एवं आरामवाली चीजों से दूर रहते थे।

**VI. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर पाँच-छः वाक्यों में लिखिए :**

**2x4=8**

34. गिल्लू के कार्य- कलाप के बारे में लिखिए।

अथवा

गिल्लू के अंतिम दिनों का वर्णन कीजिए।

35. असफलता -----

-----  
-----भागो तुम ।

**VII. 36. निम्नलिखित गद्यांश ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :** **4x1=4**

सम्राट अशोक चंद्रगुप्त मौर्य का पौता और बिंदुसार का पुत्र था। अशोक की उदारता और दया की भावना के कारण ही इतिहासकार उसका गुणगान करते नहीं थकते। उसकी उदारता और दया केवल मानव जाति तक ना सीमित थी। वरन वहां तो प्राणी मात्र का संरक्षक और सेवक था। जाति धर्म और देश की संकीर्णता को समाप्त कर उसने जीव मात्र के हित को अपने जीवन का लक्ष्य बनाया। सम्राट अशोक के मानव आदर्श आज भी भारत में जीवित है और यहां के निवासियों को आत्म कल्याण धार्मिक सहिष्णुता और विश्व बंधुत्व की प्रेरणा दे रहे हैं।

- क) अशोक का गुणगान क्यों किया जाता है ?
- ख) अशोक के जीवन का लक्ष्य क्या था ?
- ग) सम्राट अशोक के आदर्श हमें क्या प्रेरणा दे रहे हैं?
- घ) घर अशोक किसका पौता था ?

**VIII. 37. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 15-20 वाक्यों में एक निबंध लिखिए ।** **1x4=4**

क) ' समय का सदुपयोग , -

- \* प्रस्तावना
- \* समय का महत्व
- \* समय का सदुपयोग से लाभ
- \* उपसंहार

ख) ' स्वच्छ भारत अभियान , -

- \* प्रस्तावना
- \* महत्व
- \* छात्रों का पात्र
- \* उपसंहार

ग) ' इंटरनेट ' -

- \* अर्थ
- \* लाभ
- \* हानि
- \* उपसंहार

**IX. 38. कोई कारण बताकर , तीन दिन की छुट्टी की मंजूरी के लिए अपने प्रधानाध्यापक को पत्र लिखिए ।** **1x5=5**

अथवा

अपनी पढ़ाई के बारे में बताते हुए पिताजी के नाम पत्र लिखिए ।

Imagination Question papere sample for -2021

कक्षा :10 वी					नीला नक्षा- BLUE PRINT										अंक : 80							
विषय-- वस्तु	स्मरण रखना				समझना				अभिव्यक्ति				रसग्रहण				कुल प्रश्न	कुल अंक				
	व.नि	अ.ल	ल. उ.	दी.उ.	व.नि	अ.ल	ल. उ.	दी.उ.	व.नि	अ.ल	ल. उ.	दी.उ.	व.नि	अ.ल	ल.उ.	दी.उ.						
	1 अंक	1 अंक	2 अंक	3 अंक	4 अंक	1 अंक	1 अंक	2 अंक	3 अंक	4 अंक	1 अंक	1 अंक	2 अंक	3 अंक	4 अंक	1 अंक			1 अंक	2 अंक	3 अंक	4 अंक
गद्य भाग																						
कश्मीरीसेब			[1]2			[1] *														2	3	
गिल्लू						[1] *								[1]4						2	5	
मेरा बचपन			[1]2											[1]3						2	5	
बसंत की सच्चाई								[1]2						[1]3						2	5	
इंटरनेट क्रांति														[1]3						1	3	
ईमानदारों के सम्मेलन मे			[1]2			[1]1														2	3	
महिला की साहस गाथा						[1] *								[1]3						2	4	
कर्नाटक संपदा	[1]1													[1]3						2	4	
पद्य भाग																						
मातृभूमि														[1]3						1	3	
अभिनव मनुष्य														[1]3						1	3	
तुलसी के दोहे						[1]1											[1]3			2	4	
समय की पहचान						[1]1	[1]2													2	3	
सूर श्याम						[1]1*	[1]2													2	3	
कोशिश क. की ह. नहीं हो.				[1]4																1	4	
पूरक वाचन																						
शनि : सबसे सुंदर ग्रह								[1]2												1	2	
सत्य की महिमा																						
नागरिक के कर्तव्य								[1]2												1	2	
व्याकरण	[5]5					[3]3														8	8	
रचना भाग अनुवाद								[1]3												1	3	
आपतित गद्यांश									[1]4											1	4	
पत्र लेखन															[1]5					1	5	
निबंध रचना														[1]4						1	4	
कुल योग			[10]16					[17]27						[10]34						[1]3	38	80

Key Answer

I. ನಿम्ನಲಿಖಿತ ಕಥನಗಳಿಗೆ ಒಂದು-ಒಂದು ವಿಕಲ್ಪ ದೀಗ್ಗೆ, ಜಿಢಮೆ ಂಕಮಾತ್ರ ವಿಕಲ್ಪ ಸಹೀ ಹೀ । ಸಹೀ  
ವಿಕಲ್ಪ ಒುನಕರ ಲಿಖೀಗ್ಗೆ : 8x1=8

1. 'ಗಣೆಶ' ಶಬ್ದ ಮೆ ಸಂಧಿ ಹೀ -  
ಸೀ) ಗುಣ
2. 'ನೀಕಾ' ಶಬ್ದ ಕಾ ಅಢ್ಯವಕನ ಹೀ -  
ಂ) ನೀಕಾಂ
3. ಂಢಮೆ ಪ್ರಥಮ ಪ್ರೇರಣಾತ್ಮಕ ಕ್ರಿಯಾ ರೂಪ ಹೀ -  
ಸೀ) ಸುಢಾಢಾ
4. 'ಮಜಬೂತ' ಶಬ್ದ ಕಾ ವಲೂಮ ಶಬ್ದ ಹೀ -  
ಸೀ) ಕಮಜೂರ
5. ನೀಕರ ಶಬ್ದ ಕಾ ಅಢ್ಯಲಿಢ್ಗ ರೂಪ ಹೀ -  
ಸೀ) ನೀಕರಾಢೀ
6. ಂಢಮೆ ಢ್ವಂಢ ಸಮಾಸ ಕಾ ಡದಾಹರಣ ಹೀ -  
ಡೀ) ಮಾತಾ -ಪಿತಾ
7. 'ಅಭೀ ಬಾಜಾರ --- ಭುಢಾ ಲಾತಾ ಹುಂ' । ರಿಕ್ತ ಸ್ಥಾಢ ಮೆ ಂಚಿತ ಕಾರಕ ಹೂಗಾ -  
ಂ) ಸೆ
8. ಗಿಲ್ಲೂ ಕೆ ಜೀವಢ ಕಾ ಪ್ರಥಮ ವಸಂತ ಆಯಾ । ಂಸ ವಾಕ್ಯ ಮೆ ಪ್ರಯುಕ್ತ ವಿರಾಢ ಚಿಹ್ಢ ಹೀ -  
ಬೀ) ಪೂರ್ಣ ವಿರಾಢ

II. ಪ್ರಥಮ ಡೂ ಶಬ್ದೂ ಕೆ ಸೂಚಿತ ಸಂಬಂಧೂ ಕೆ ಅಢ್ಯರೂಪ ತೀಸರೆ ಶಬ್ದ ಕಾ ಸಂಬಂಧಿತ ಶಬ್ದ ಲಿಖೀಗ್ಗೆ : 1x4=4

9. ಪಹಲಾ ಸೆಬ : ಆಧಾ ಸಡಾ ತಾ :: ತೀಸರಾ ಸೆಬ : ಪಿಚಕ ಗಯಾ ತಾ
10. ಗಿಲ್ಲೂ : ರೆಖಾ ಚಿತ್ರ :: ಮೆರಾ ಬಕಪಢ : ಆತ್ಮಕತಾ
11. ಕರ್ಢಲ : ಖುಲ್ಲರ :: ಮೆಜರ : ಕುಢಾರ
12. ಬಲಭದ್ರ : ಬಲರಾಢ :: ಕಾಢಹ : ಕೃಷ್ಣ

III. ನಿಢ್ಯಲಿಖಿತ ಪ್ರಶ್ಢೂ ಕೆ ಂತ್ತರ ಂಕ-ಂಕ ವಾಕ್ಯೂ ಮೆ ಲಿಖೀಗ್ಗೆ । 1x4=4

13. ಲೆಖಕ ಢೆ ಢೂಪ ಕಾ ಕಶಢಾ ಡೆಬಲ ಪರ ರಖಾ ತಾ ।
14. ಕರ್ಢಾಟಕ ಮೆ ಜೂಗ, ಅಬ್ಬೀ, ಗೂಕಾಕ, ಶಿವಢಸಢುದ್ರ ಆದಿ ಜಲಪ್ರಪಾತ ಹೀ ।
15. ಢುಢ್ಢ ಖಾಢೆ ಪೀಢೆ ಕಾ ಕಾಢ ಅಕೆಲೆ ಕರತಾ ಹೀ, ಲೆಕಿಢ್ಢ ವಹ ಜೂ ಖಾತಾ-ಪೀತಾ ಹೀ । ಂಸಸೆ ಶರೀರ ಕೆ ಸಾರೆ ಅಢ್ಗೂ ಕಾ ಪಾಲಢ-  
ಪೂಷಣ ಕರತಾ ಹೀ । ಂಸಲೀಗ್ಗೆ ಢುಖಿಯಾ ಕೂ ಢುಖ ಹೀ ಢಾಢತೆ ಹೀ ।
16. ಸಢಯ ಕೂ ಖೂಢೆ ಸೆ ಆಗೂ ಪ಑ತಾಢಾ ಪಡತಾ ಹೀ ।

#### IV. निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए :

8x2=16

17. उत्तर : अब्दुल कलाम के पिताजी आडंबरहीन व्यक्ति थे और सभी अनावश्यक एवं ऐशो-आरामवाली चीजों से दूर रहते थे। पर घर में सभी आवश्यक चीजें समुचित मात्रा में सुलभता से उपलब्ध थीं। इसलिए अब्दुल कलाम का बचपन बहुत ही निश्चिंतता और सादगी में बीता।
18. उत्तर : सम्मेलन में लेखक का सामान सब चोरी हो गया था। ताला तक चोरी हो गया था और अब वे बचे थे। लेखक ने सोचा अगर वे वहाँ ज्यादा समय तक रुकेंगे तो उन्हें हीचोरा लिया जायेगा। इसलिए परसाई जी सीधा स्टेशन जाने का निश्चय किया।
19. उत्तर : आजकल शिक्षित समाज में विटामिन और प्रोटीन के शब्दों में विचार किया जाता है। टोमाटो को पहले कोई भी न पूछता था।
20. उत्तर : छलनी रसोईघर में काम आनेवाला एक मुख्य वस्तु है। इसके द्वारा हम पानी, दूध, आदि छान सकते हैं। साथ में चाय भी छान सकते हैं।
21. उत्तर : समय भगवान का दिया हुआ अनुपम धन है। इसलिए आलस को छोड़कर, बिना किसी बहाने काम करना है। एक क्षण भी नष्ट नहीं करना है। तभी समय का सदुपयोग होगा।
22. उत्तर : बालकृष्ण अपनी माता से इस प्रकार शिकायत करता है कि भाई मुझे बहुत चिढ़ाता है। वह मुझसे कहता है कि तुम्हें यशोदा माँ ने जन्म नहीं दिया है बल्कि मोल लिया है। इसी गुस्से के कारण उसके साथ खेलने नहीं जाता।
23. शनि ग्रह धीमी गति से चलने से इस ग्रह को शनैश्चर कहते हैं।  
अथवा  
शनि का निर्माण हाइड्रोजन, हीलियम, मीथेन तथा एमोनिया गैसों से हुआ है।

24. उत्तर : झूठ का सहारा लेते हैं तो मुँह काला करना पड़ता है और अपमानित होना पड़ता है।

अथवा

सलमा ने मीना मेडम से क्या कहा ?

उत्तर : सलमा ने मीना मेडम से कहा कि, प्रकृति हमारी माता है। इसलिए हमें प्राकृतिक संसाधनों का अपव्यय करना नहीं चाहिए। अपने पर्यावरण को स्वच्छ रखना भी हमारा दायित्व है।

#### V. निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर तीन-चार वाक्यों में लिखिए :

9x3=27

25. उत्तर : बसंत अपने मेहनत से पैसे कमाना चाहता था। एक दिन उसका सामान बिक नहीं पाया। उसने राजकिशोर से आग्रह किया कि कम से कम एक छलनी तो खरीद लें। उसका आग्रह मानकर वे एक छलनी की कीमत के लिए एक रुपये का नोट दिया। बसंत के पास चिल्लर न होने के कारण वह भुनाने गया और दुर्घटनाग्रस्त हो गया। शाम को अपने भाई के हाथ में राजकिशोर का बाकी पैसा वापस कराया। इस तरह हम कह सकते हैं कि बसंत एक ईमानदार लड़का है।
26. उत्तर : इंटरनेट एक वरदान है। उसने जीवन के हर क्षेत्र में अपना कमाल दिखाया है। जैसे – चिकित्सा, कृषि, अंतरिक्ष यान, विज्ञान शिक्षा आदि। यंहा तक कि देश रक्षादलों की कारवाही में इंटरनेट का बहुत बड़ा योगदान है। घर बैठे खरीदारी कर सकते हैं, न्यूस पढ़ सकते हैं, मोबाइल, बिजली, आदि का बिल भर सकते हैं। बस, ट्रेन और हवाई जहाज में आसन का आरक्षण कर सकते हैं। व्यवहार प्रचार के लिए, विज्ञापन के लिए इस तरह इंटरनेट एक वरदान है। इंटरनेट एक ओर वरदान है तो दूसरी ओर वह अभिशाप भी है। इंटरनेट की वजह से पैरसी, बैंकिंग फ्राड, हैकिंग (सूचना/खबरों की चोरी) आदि बढ़ रही हैं। मुक्त वेब साइट, चैटिंग आदि से युवा पीढ़ी ही नहीं बच्चे भी

इंटरनेट की कबंध बाँहों के पाश में फँसे हुए हैं। इससे वक्त का दुरुपयोग होता है और बच्चे अनुपयुक्त और अनावश्यक जानकारी हासिल कर रहे हैं। इसलिए इंटरनेट से सचेत रहना चाहिए।

27. उत्तर : जैनुलाबदीन नमाज़ के बारे में कहते थे कि- 'जब तुम नमाज़ पढ़ते हो तो तुम अपने शरीर से इतर ब्रह्मांड का एक हिस्सा बन जाते हो; जिसमें दौलत, आयु, जाती या धर्म-पंथ का कोई भेदभाव नहीं होता।
28. उत्तर : महिला की साहसगाथा पाठ द्वारा छात्र यह जानकारी प्राप्त कर सकते हैं कि महिलाएँ भी साहस प्रदर्शन में पुरुषों से कुछ कम नहीं हैं। बिछेंद्री पाल इस विचार का एक निदर्शन है। ऐसी महिलाओं से प्रेरणा पाकर छात्र साहसी भाव अपना सकते हैं।
29. उत्तर : प्रकृतिमाता ने कर्नाटक राज्य को अपने हाथों से सँवारकर सुंदर और समृद्ध बनाया है। कर्नाटक की प्रकृतिक सुषमा नयन मनोहर है। पश्चिम में विशाल अरबी समुद्र लहराता है। इसी प्रांत में दक्षिण से उत्तर के छोर तक फैली लंबी पर्वतमालाओं को पश्चिमी घाट कहते हैं। इन्हीं घाटों का कुछ भाग सह्याद्रि कहलाता है। दक्षिण में नीलगिरी की पर्वतमालाएँ शोभायमान हैं।
30. उत्तर : कवि भगवती चरण वर्माजी के अनुसार भारत माँ अपने एक हाथ में न्याय पताका और दूसरे हाथ में ज्ञान-दीप लिए सबको सही रास्ते पर चलने को प्रेरित कर रही है। उसके हृदय में अनेक महान विभूतियों का वास है। उसके गोद में पले बच्चों को परस्पर सहयोग से रहने के लिए प्रेरणा दे रही है।
31. उत्तर : दिनकरजी के अनुसार मानव का सही परिचय यह है कि दिनकरजी इस कविता द्वारा यह संदेश देना चाहते हैं कि आज के मानव ने प्रकृति के हर तत्व पर विजय प्राप्त कर ली है। किन्तु विडंबना यह है कि, उसने स्वयं को नहीं पहचाना, अपने भाईचारे को नहीं समझा। प्रकृति पर विजय प्राप्त करना मनुष्य की साधना है, मानव-मानव के बीच स्नेह का बाँध-बाँधना मानव की सिद्धि है। जो मानव दूसरे मानव से प्रेम का रिश्ता जोड़कर आपस की दूरी को मिटाए, वही मानव कहलाने का अधिकारी होगा।
32. निम्नलिखित दोहे का भावार्थ अपने शब्दों लिखिए।  
मुखिया मुख सो चाहिए, खान पान को एका  
पालै पोसै सकल अंग, तुलसी सहित विवेका।  
उत्तर : प्रस्तुत दोहे में श्री तुलसीदास जी मुख अर्थात् मुँह और मुखिया दोनों के स्वभाव की समानता दर्शाते हुए लिखते हैं कि मुखिया को मुँह के समान होना चाहिए। मुँह खाने-पीने का काम अकेला करता है, लेकिन वह जो खाता-पीता है उससे शरीर के सारे अंगों का पालन-पोषण करता है। तुलसीदास जी की राय में मुखिया को भी ऐसे ही विवेकवान होना चाहिए कि वह काम अपनी तरह से करें लेकिन उसका फल सभी में बाँटे।
33. गद्यांश का अनुवाद कनाड या अंग्रेजी में कीजिए।  
ಅಬ್ಬಲ್ ಕಲಾಸುರು ಬಾಲ್ಯದಲ್ಲಿ ತಮ್ಮ ಸೂರ್ವಜರಿಂದ ಬಂದಂತಹ ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಇರುತ್ತಿದ್ದರು. ಅವರ ತಂದೆ ಆಡಂಬರಹಿತ ವ್ಯಕ್ತಿಯಾಗಿದ್ದರು ಎಲ್ಲಾ ಅಗತ್ಯ ಮತ್ತು ಆರಾಮದಾಯಕ ವಸ್ತುಗಳಿಂದ ದೂರವಿರುತ್ತಿದ್ದರು.

VI. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर पाँच-छः वाक्यों में लिखिए :

2x4=8

34. उत्तर : लेखिका ने फूल रखने की एक हल्की डलिया में रुई बिछाकर उसे तार से खिड़की पर लटका दिया। वही दो वर्ष गिल्लू का घर रहा। वह स्वयं हिलाकर अपने घर में झूलता और अपनी काँच के मनकों-सी आँखों से कमरे के भीतर और खिड़की से बाहर न जाने क्या देखता-समझता रहता था। परन्तु उसकी समझदारी और कार्य-कलाप पर सबको आश्चर्य होता था।



अथवा

उत्तर : गिलहरियों के जीवन की अवधि दो वर्ष से अधिक नहीं होती, अतः गिल्लू की जीवन-यात्रा का अंत आ ही गया। दिन भर उसने न कुछ खाया, न बाहर गया। पंजे ठंडे हो गये, लेखिका ने जागकर हीटर जलाया और उसे उष्णता देने का प्रयत्न किया। परन्तु प्रभात की प्रथम किरण के साथ ही वह चिर निद्रा में सो गया।

35. असफलता एक चुनौती है इसे स्वीकार करो।

क्या कमी रह गई देखो और सुधार करो ॥

जब तक न सफल हो नींद चैन को त्यागो तुम।

संघर्ष का मैदान को छोड़कर मत भागो तुम ॥

**VII. 36. निम्नलिखित गद्यांश ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :** **4x1=4**

क) अशोक का गुणगान उनकी की उदारता और दया की भावना के कारण किया जाता है।

ख) अशोक के जीवन का लक्ष्य जाति धर्म और देश की संकीर्णता को समाप्त करना था।

ग) सम्राट अशोक के आदर्श हमें आत्म कल्याण धार्मिक सहिष्णुता और विश्व बंधुत्व की प्रेरणा दे रहे हैं।

घ) अशोक सम्राट अशोक चंद्रगुप्त मौर्य का पौता था।

**VIII. 37. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 15-20 वाक्यों में एक निबंध लिखिए।** **1x4=4**

क) ' समय का सदुपयोग , - \* प्रस्तावना \* समय का महत्व \* समय का सदुपयोग से लाभ \* उपसंहार  
**प्रस्तावना :** समय का हमारे जीवन में अति महत्वपूर्ण स्थान है समय सभी वस्तुओं से यहां तक कि धन से भी अधिक शक्तिशाली और अमूल्य वस्तु है यदि एक बार ये हमारे हाथ से निकल गया तो फिर यह वापस लौटकर नहीं आता है।

**महत्व :** समय धन से भी ज्यादा कीमती है; क्योंकि यदि धन को खर्च कर दिया जाए तो यह वापस प्राप्त किया जा सकता है हालांकि, यदि हम एक बार समय को गंवा देते हैं, तो इसे वापस प्राप्त नहीं कर सकते हैं। समय के बारे में एक सामान्य कहावत है कि, "समय और ज्वार-भाटा कभी किसी की प्रतीक्षा नहीं करते हैं।" यह बिल्कुल पृथ्वी पर जीवन के अस्तित्व की तरह ही सत्य है, अर्थात्, जिस तरह से पृथ्वी पर जीवन का होना सत्य है, ठीक उसी तरह से यह कहावत भी बिल्कुल सत्य है। समय बिना किसी रुकावट के निरंतर चलता रहता है। यह कभी किसी की प्रतीक्षा नहीं करता है।

**आवश्यकता :** हमें जीवन के किसी भी दौर में कभी भी अपने कीमती समय को बिना किसी उद्देश्य और अर्थ के व्यर्थ नहीं करना चाहिए। हमें हमेशा समय के अर्थ को समझना चाहिए और उसी के अनुसार, इसे सकारात्मक ढंग से कुछ उद्देश्यों की पूर्ति के लिए इसका प्रयोग करना चाहिए। हमें इससे निरंतर कुछ ना कुछ सीखते रहना चाहिए यदि यह बिना किसी रुकावट के चलता रहता है, तो फिर हम ऐसा क्यों नहीं कर सकते।

**उपसंहार :** जो घड़ी हम हाथ में बांध कर चलते हैं वह हमसे कहती है कि मेरे साथ चलो भले ही आगे चलो पर मेरे से पीछे हो कर नहीं चलना क्योंकि साथ चलने से सदा जीवन सुखी रहता है और समय सोने से भी अधिक मूल्यवान है और इसकी कीमत समय पर ही समझना जरूरी है।

ख) ' स्वच्छ भारत अभियान , - \* प्रस्तावना \* महत्व \* छात्रों का पात्र \* उपसंहार

**प्रस्तावना** : स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत सरकार द्वारा देश को स्वच्छता के प्रतीक के रूप में पेश करना है। स्वच्छ भारत अभियान क्या है ? स्वच्छ भारत अभियान एक राष्ट्रीय स्वच्छता मुहिम है जो भारत सरकार द्वारा स्थापित किया गया है, इसके तहत 4041 सांविधिक नगरों के सड़क, पैदल मार्ग और अन्य कई स्थल आते हैं। ये एक बड़ा आंदोलन है जिसके तहत भारत को 2019 तक पूर्णतः स्वच्छ बनाना है। इसमें स्वस्थ और सुखी जीवन के लिये महात्मा गाँधी के स्वच्छ भारत के सपने को आगे बढ़ाया गया है।

**महत्व और छात्रों का पात्र** : अस्वास्थ्यकर शौचालय को पानी से बहाने वाले शौचालयों से बदलने की आवश्यकता है। हाथ के द्वारा की जाने वाली साफ-सफाई की व्यवस्था का जड़ से खात्मा जरूरी है। नगर निगम के कचरे का पुनर्चक्रण और दुबारा इस्तेमाल, सुरक्षित समापन, वैज्ञानिक तरीके से मल प्रबंधन को लागू करना। खुद के स्वास्थ्य के प्रति भारत के लोगों की सोच और स्वाभाव में परिवर्तन लाना और स्वास्थ्यकर साफ-सफाई की प्रक्रियों का पालन करना। ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों में वैश्विक जागरूकता का निर्माण करने के लिये और सामान्य लोगों को स्वास्थ्य से जोड़ने के लिये। इसमें काम करने वाले लोगों को स्थानीय स्तर पर कचरे के निष्पादन का नियंत्रण करना, खाका तैयार करने के लिये मदद करना।

**उपसंहार** : इस तरह हम कह सकते हैं कि 2019 तक भारत को स्वच्छ और हरा-भरा बनाने के लिये स्वच्छ भारत अभियान एक स्वागत योग्य कदम है। जैसा कि हम सभी ने कहावत में सुना है 'स्वच्छता भगवान की ओर अगला कदम है'।

ग) ' इंटरनेट ' - \* अर्थ \* लाभ \* हानि \* उपसंहार

**इंटरनेट अर्थ** : एक दुसरे से जुड़े कई कंप्यूटरों का जाल है जो राउटर एवं सर्वर के माध्यम से दुनिया के किसी भी कंप्यूटर को आपस में जोड़ता है, उसे इंटरनेट कहते हैं।

**लाभ**: इंटरनेट आज हमारे जीवन एक अभिन्न हिस्सा बन चुका है , आज इंटरनेट के कई उपयोग हैं। मनोरंजन के लिए , बैंकिंग के लिए , किसी भी डॉक्यूमेंट को मेल के माध्यम से ट्रांसफर करने के लिए , आपस में बात चीत करने के लिए , नए दोस्त बना सकते हैं , online पढाई कर सकते हैं , घर बैठे शोपिंग कर सकते हैं , न्यूज़ पढ़ सकते हैं , मोबाइल, बिजली, phone का बिल जमा कर सकते हैं., बिज़नेस के प्रचार प्रसार के लिए . विज्ञापन के लिए , किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए इत्यादि...

**हानियाँ** :कुछ लोग इसके आदी हो जाते हैं और दिन दिन भर इससे चिपके रहते हैं जिससे उनकी आँखों की रौशनी कम हो सकती है, साथ यह लोगों ही स्मृति यानि यादाश्त को भी बहुत प्रभावित करता है साथ ही इंटरनेट का इस्तेमाल करने से वायरस का भी खतरा रहता और कुछ हैकर आपकी निजी जानकारी को भी चुरा सकते हैं जो आपके लिए आर्थिक रूप से हानिकारक हो सकती है.

**उपसंहार** :- कभी-कभी इंटरनेट से सीधे-तौर पर कुछ भी डाउनलोड करने के दौरान, हमारे कम्प्यूटर में वाइरस, मालवेयर, स्पाइवेयर, और दूसरे गलत प्रोग्राम आ जाते हैं जो हमारे सिस्टम को नुकसान पहुँचा सकते हैं। ऐसा भी हो सकता है कि हमारे सिस्टम में रखे डाटा को बिना हमारी जानकारी के पासवर्ड होने के बावजूद भी इंटरनेट के द्वारा हैक कर लिया जाये। इंटरनेट से भी लाभ भी हैं और हानियाँ भी हैं, अब सिर्फ हम निर्भर होता है कि इसका इस्तेमाल कैसे करते हैं।

IX. 38. कोई कारण बताकर , तीन दिन की छुट्टी की मंजूरी के लिए अपने प्रधानाध्यापक को पत्र लिखिए ।

1x5=5

प्रेषक ,

वर्षा बी स

दसवीं कक्षा,

बिसिनीरू मुद्दप्प सरकारी हाईस्कूल

चल्लकेरे चित्रदुर्ग जिला ।

सेवा में,

कक्षा अध्यापक,

बिसिनीरू मुद्दप्प सरकारी हाईस्कूल

चल्लकेरे चित्रदुर्ग जिला ।

महोदया,

विषय : तीन दिनों की छुट्टि प्रदान करने के बारे में,

सविनय निवेदन है कि, मेरी तबीयत ठीक न होने के कारण मैं दिनांक: : : से दिनांक: : : तक तीन दिनों तक कक्षा में उपस्थित नहीं हो सकती हूँ। इसलिए आप मुझे तीन दिनों की छुट्टि प्रदान करने की कृपा करें।

सधन्यवाद,

आपका विधेय विद्यार्थिनी,

Xyz

अथवा

प्रवास जाने के लिए 1000/- रुपए माँगते हुए अपने पिताजी के नाम पर एक पत्र लिखिए :

प्रेषक,  
वर्षा बी एस  
दसवीं कक्षा,  
बिसिनीरू मुद्दप्प सरकारी हाईस्कूल  
चल्लकेरे चित्रदुर्ग जिला।  
दिनांक : : :

पूजनीय पिताजी,

सादर प्रणाम,

मैं यहाँ सकुशल हूँ। मुझे यकीन है कि भगवान की कृपा से वहाँ आप सब लोग सकुशल होंगे। मेरी पढ़ाई ठीक चल रही है। अब पत्र लिखने का कारण है कि, हमारी पाठशाला में मैसूर, श्रीरंगपट्टण, तलकाडु, नंजनगुडु, निमिषांभा देवालय आदि स्थानों को देखने शैक्षिक यात्रा का आयोजन हुआ है। उसमें मेरे सारे मित्र जा रहे हैं। मैं भी जाना चाहती हूँ। इसलिए आप मुझे प्रवास जाने के लिए अनुमति देते हुए, 1000 /-रुपए भेजने की कृपा करें। पूजनीय माताजी को मेरा सादर प्रणाम। भाई तथा बहन को मेरा याद-प्यार।

आपका प्रिय बेटी,  
वर्षा बी एस.  
हस्ताक्षर

सेवा में,  
सुरेश नायक बी एस  
माविनकट्टे  
होसदुर्ग ता  
चित्रदुर्ग जिला।